कार्यालय पुलिस आयुक्त, दिल्ली, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।

संख्या 180 /जनसम्पर्क शाखा, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली दिनांक 16-7 /2008.

सेवा में,

श्रीमान सम्पादक,
नव-भारत टाइम्स,
बहादरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।

विषय :- नवभारत टाइम्स में प्रकाशित खबर ''खौफ के साये में हैं पुरानी दिल्ली के बाजार'' के के सबंधं में स्पष्टीकरण.

महोदय,

कृपया आपके सुप्रसिद्ध समाचार पत्र में दिनांक 16 जुलाई-2008 को ''खौफ के साये में हैं पुरानी दिल्ली के बाजार'' शीर्षक के अन्तर्गत छपी खबर के सन्दर्भ में स्पष्टीकरण भेज रहे हैं। कृपया खबर से सम्बन्धित तथ्यों को समुचित स्थान पर प्रकाशित कर आम जनता को वास्तविकता से अवगत करा कर अनुगृहित करें।

पुरानी दिल्ली के व्यस्त बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिल्ली पुलिस पूरी तरह दृढ-संकल्प है। ऐसे व्यस्त बाजारों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, प्रर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात करने के साथ-साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा समय पर समय सुरक्षा -व्यवस्था का जायजा भी लिया जाता है। पिछले दिनों पुरानी दिल्ली में हुई गोलीबारी एवं ब्लेडबाजी की वारदात आपसी एवं पारिवारिक रंजिश का कारण रही है और इस संदर्भ में पुलिस जांच-पडताल चल रही है। इलाके में हुई कुछ हिंसक वारदातों से समस्त बाजारों का आकलन निकाल लेना उपयुक्त नहीं होगा। यदि आप पिछले आपराधिक आकंडों पर नजर डाले तो आपको ज्ञात होगा कि पिछले दिनों जंघन्य एवं हिंसक वारदातों में कुछ कमी आई है।

समाचार में प्रकाशित ऐसे शीर्षक से आम जनता, दुकानदारों एवं व्यवसायी के बीच अनावश्यक डर व असुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है और असामाजिक तत्वों के हौसलें भी बढते हैं। यदि आपका संवाददाता ऐसी खबर को प्रकाशित करने से पूर्व उसकी प्रमाणिकता के बारे में संबंधित अधिकारी से तथ्यों की पुष्टि कर लें तो पुलिस हित में नहीं बल्कि आम जनता के हित में होगा और सवर्था प्रंशासनीय भी होगा।

भवदीय

राजन भगत

(राजन भगत)
जनसम्पर्क अधिकारी
दिल्ली पुलिस,दिल्ली